त्वरित चारा विकास कार्यक्रम
सफलता की कहानी

दुग्ध समिति कड़ाई, तहसील तराना (उज्जैन)

उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ, उज्जैन द्वारा उज्जैन माम्डोलमार्ग पर 55 कि.मी.की दूरी पर स्थित ग्राम कड़ाई में अन्य दुग्ध समितियों के साथ–साथ 1984 में दुग्ध सहकारी समिति की स्थापना की गई थी। प्रारंभिक दिनों में कड़ाई दुग्ध समिति का दुग्ध संकलन मात्र 12 लीटर था। समिति द्वारा दिनोंदिन प्रगति कर आज की स्थिति में 130 से 150 लीटर दूध प्रति दिन संकलित किया जा रहा है।

दुधारू पशु डेरी व्यवसाय का मूल आधार है। पशुओं को सूखे चारे के साथ–साथ हरा चारा भी वर्ष भर उपलब्ध होता रहे, ग्रीष्म मौसम में भी दूध कम न हो इस हेतु उन्नत किस्म का चारा बीज जैसे खरीफ मौसम हेतु मक्का अफ्रीकन टाल/सुडान चरी/काउपी/मल्टीकट बाजरा तथा रबी मौसम हेतु बरसीम/लूसर्न/जई (जिनमें प्रोटीन/वसा/कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण विटामीन अधिक मात्रा में रहते है), उज्जैन दुग्ध संघ के माध्यम से भारत सरकार द्वारा त्वरित चारा विकास कार्यक्रम (AFDP) के अंतर्गत दुग्ध समितियों में निःशुल्क मिनिकिट वितरित किये जाते रहे है। इसका लाभ संस्था के दुग्ध उत्पादकों द्वारा नियमित रूप से लिया जा रहा है।

कड़ाई दुग्ध समिति द्वारा 12 हस्तचलित चॉफ कटर प्राप्त कर हितग्राहियों को वितरित किये गये, जिसका उपयोग हितग्राही नियमित रूप से कर रहे है। प्रगतिशील किसान श्री मोतीसिंह डोडिया द्वारा उज्जैन दुग्ध संघ के माध्यम से भारत सरकार द्वारा प्रदत्त योजना अंतर्गत साईलेज पिट का निर्माण कर उसका निरंतर उपयोग किया जा रहा है। पशु उत्प्रेरण विभिन्न योजनाओं में श्रीमती भंवरवाई पति रामसिंह व श्री गोविंदसिंह द्वारा जर्सी 2/एचएफ 3/गिर 10 गाय क्रय की गई है। आज ये प्रतिदिन 55 से 60 लीटर दूध का उत्पादन कर दुग्ध संघ को प्रदाय कर रहे है।

समिति सदस्य श्रीमती भंवरवाई पति श्री रामसिंह, श्री गोविंद सिंह, श्री गणेश द्वारा भारत सरकार की त्वरित चारा विकास योजना अंतर्गत प्रदाय किये गए निःशुल्क चारा बीज मिनीकिट एवं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित पशु उत्प्रेरण कार्यक्रमों को किसानों के लिये एक वरदान बताते है। दुग्ध सहकारी समिति निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।